Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

अध्याय - 9 | कबीर की साखियाँ

QUIZ-01

1. 'कबीर की साखियाँ' पाठ के कवि का नाम ___ है।
   A. हजारी प्रसाद द्विवेदी B. राम गोपाल वर्मा
   C. रामधारी सिंह दिनकर D. कबीरदास (D)

व्याख्या : यह साखियाँ कबीरदास द्वारा लिखी गई हैं, जो एक संत कवि और समाज सुधारक थे।

2. कबीर किसकी निंदा न करने की सीख देते हैं?
   A. कमजोर लोगों की B. मित्रों की
   C. बेसहारों की D. बेजुबानों की (D)

व्याख्या : कबीर कहते हैं कि बोल न सकने वालों (बेजुबानों) की निंदा नहीं करनी चाहिए क्योंकि वे अपनी सफाई नहीं दे सकते।

3. साधु से जाति न पूछकर फिर किसके बारे में पूछना चाहिए?
   A. ज्ञान के बारे में
   B. पहचान के बारे में
   C. जाति के बारे में
   D. धर्म के बारे में (A)

व्याख्या : कबीर का संदेश है कि जाति नहीं, ज्ञान का मूल्यांकन करना चाहिए।

4. कबीर के दोहों को किस नाम से जाना जाता है?
   A. चौपाई
   B. साखी
   C. सोरठा
   D. ज्ञान का भण्डार (B)

व्याख्या : कबीर की शिक्षाप्रद वाणी को साखी कहा जाता है, जो अनुभवजन्य ज्ञान पर आधारित होती है।

5. जाप करने के लिए मनुष्य किस चीज का प्रयोग करता है?
   A. दाना का
   B. मूर्ति का
   C. माला का
   D. उंगलियों का (C)

व्याख्या : कबीर ने माला फेरने को बाहरी साधना कहा और सच्चे मन से स्मरण को ज्यादा महत्त्वपूर्ण माना।

6. कबीरदास का जन्म ___ में हुआ था?
   A. सन् – 1399 B. सन् – 1389
   C. सन् – 1396 D. सन् – 1398 (D)

व्याख्या : कबीर का जन्म 1398 ई. में हुआ माना जाता है।

7. कबीर के अनुसार ईश्वर का वास कहाँ है?
   A. मंदिर में B. प्रत्येक जीव के साँसों में
   C. गुरुद्वारे में D. बच्चों में (B)

व्याख्या : कबीर मानते हैं कि ईश्वर बाहर नहीं, हमारे अंदर है — हर जीव की साँसों में।

8. कवि किस काम को बुरा मानते हैं?
   A. किसी की निंदा करना
   B. किसी को बुरा बोलना
   C. किसी को गालियां देना
   D. इनमें से कोई नहीं (A)

व्याख्या : कबीर निंदा करने को बहुत बुरा मानते हैं — वे कहते हैं कि सुधार की शुरुआत अपने अंदर देखो।

9. कवि किसका मोल करने की बात कह रहा है?
   A. संपत्ति का
   B. तलवार का
   C. म्यान का
   D. अभिमान का (C)

व्याख्या : कबीर कहते हैं, "तलवार का क्या मोल, म्यान का मोल करो", यानी विनम्रता (म्यान) का मूल्य समझो।

10. 'गारी' शब्द कैसा शब्द है?
   A. देशज
   B. तद्भव
   C. तत्सम
   D. विदेशी (B)

व्याख्या : 'गारी' शब्द संस्कृत के 'गर्ज' से निकला है, जो तद्भव शब्द है — यानी संस्कृत से बदलकर बना हुआ शब्द।

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App